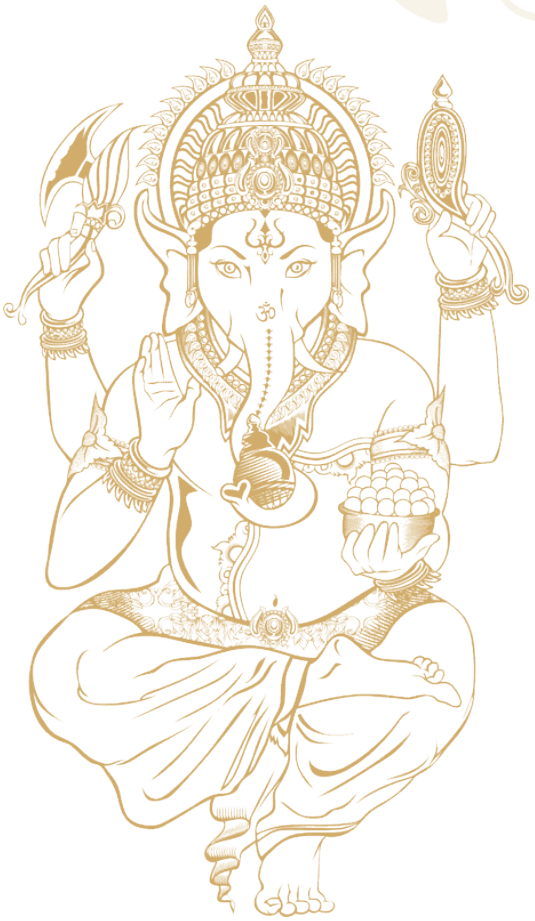

Jahnavi

04 Sep 2025

03:34 PM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121626005

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/09/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:34:00 घंटे**
इष्ट	23:55:24 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:13:44 घंटे
वेलान्तर	00:00:58 घंटे
साम्पातिक काल	14:08:52 घंटे
सूर्योदय	05:59:50 घंटे
सूर्यास्त	18:38:07 घंटे
दिनमान	12:38:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:55:25 सिंह
लग्न के अंश	23:35:06 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शोभन
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	23:35:06	366:53:44	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
सूर्य			सिंह	17:55:25	00:58:08	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	05:31:54	13:04:26	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	23:55:22	00:39:10	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	09:21:52	01:56:00	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	24:15:38	00:10:27	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	17:27:17	01:12:17	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	05:33:55	00:04:18	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:08:20	00:00:31	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:08:20	00:00:31	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:14:44	00:00:05	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:03:28	00:01:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:30:01	00:01:00	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			तुला	10:15:53	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:01

लग्न-चलित

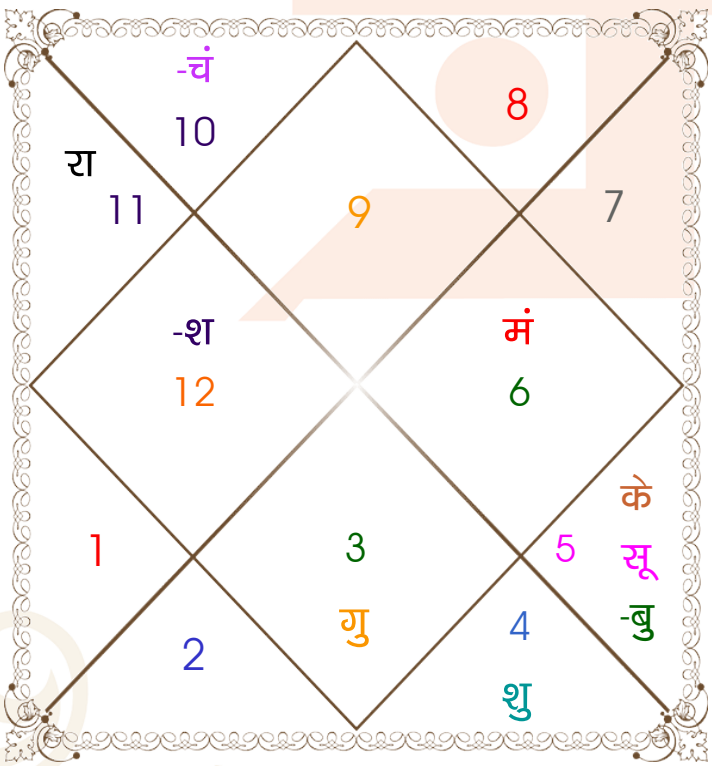

चन्द्र कुंडली

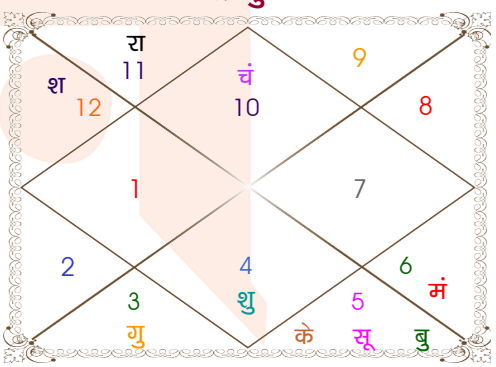

नवमांश कुंडली

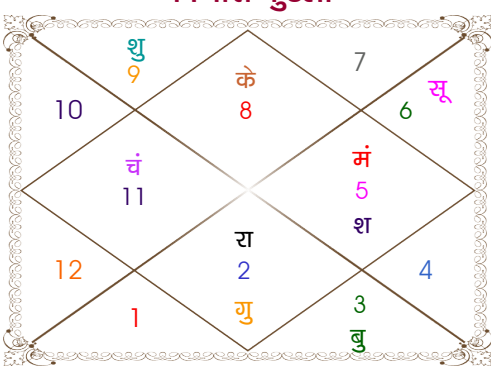

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 0 मास 3 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/09/2025		09/09/2027		08/09/2037		08/09/2044		08/09/2062	
09/09/2027		08/09/2037		08/09/2044		08/09/2062		08/09/2078	
	00/00/0000	चंद्र	09/07/2028	मंगल	04/02/2038	राहु	22/05/2047	गुरु	27/10/2064
	00/00/0000	मंगल	07/02/2029	राहु	23/02/2039	गुरु	15/10/2049	शनि	10/05/2067
	00/00/0000	राहु	09/08/2030	गुरु	30/01/2040	शनि	21/08/2052	बुध	15/08/2069
	00/00/0000	गुरु	09/12/2031	शनि	09/03/2041	बुध	10/03/2055	केतु	22/07/2070
	00/00/0000	शनि	09/07/2033	बुध	07/03/2042	केतु	27/03/2056	शुक्र	22/03/2073
	04/09/2025	बुध	09/12/2034	केतु	03/08/2042	शुक्र	28/03/2059	सूर्य	08/01/2074
बुध	03/05/2026	केतु	10/07/2035	शुक्र	03/10/2043	सूर्य	20/02/2060	चंद्र	10/05/2075
केतु	08/09/2026	शुक्र	09/03/2037	सूर्य	08/02/2044	चंद्र	21/08/2061	मंगल	15/04/2076
शुक्र	09/09/2027	सूर्य	08/09/2037	चंद्र	08/09/2044	मंगल	08/09/2062	राहु	08/09/2078

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/09/2078		08/09/2097		09/09/2114		09/09/2121		09/09/2141	
08/09/2097		09/09/2114		09/09/2121		09/09/2141		00/00/0000	
शनि	11/09/2081	बुध	05/02/2100	केतु	05/02/2115	शुक्र	09/01/2125	सूर्य	28/12/2141
बुध	21/05/2084	केतु	02/02/2101	शुक्र	07/04/2116	सूर्य	09/01/2126	चंद्र	28/06/2142
केतु	30/06/2085	शुक्र	04/12/2103	सूर्य	12/08/2116	चंद्र	10/09/2127	मंगल	03/11/2142
शुक्र	30/08/2088	सूर्य	09/10/2104	चंद्र	13/03/2117	मंगल	09/11/2128	राहु	28/09/2143
सूर्य	12/08/2089	चंद्र	11/03/2106	मंगल	10/08/2117	राहु	09/11/2131	गुरु	16/07/2144
चंद्र	13/03/2091	मंगल	08/03/2107	राहु	28/08/2118	गुरु	10/07/2134	शनि	28/06/2145
मंगल	21/04/2092	राहु	24/09/2109	गुरु	04/08/2119	शनि	09/09/2137	बुध	05/09/2145
राहु	26/02/2095	गुरु	31/12/2111	शनि	12/09/2120	बुध	10/07/2140		00/00/0000
गुरु	08/09/2097	शनि	09/09/2114	बुध	09/09/2121	केतु	09/09/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 11 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुथ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काण का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आप आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु बृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी के जीवन में भी आ सकती हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आप अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगी यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगी क्योंकि आप एक विशाल हृदय की प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकती हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आप इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगी। तब यह संभाव्य है कि आप शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने के प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगी। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करती हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करती हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वस्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकती हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगी। आप बहुत बड़ी विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करती हैं। तथा यह भी मानती हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखती हैं कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगी तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगी।

आप कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी

बुद्धि को अनुकूल कर सकती हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकती हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।